19/8/20 (1)

कक्षा - स्नातक -
B.Sc. -1
B.A. Part I
Hindi ~~[illegible]~~ व्याख्याता - डॉ० अभिनव कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर
~~[illegible]~~ हिंदी विभाग
~~[illegible]~~ - ईश्वर शरण कॉलेज,
सूर के पद की व्याख्या — इलाहाबाद

प्रश्न: — सूर के प्रस्तुत पद की व्याख्या करें

ऊधो मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं।
हंससुता की सुन्दर कगरी, अरु कुंजन की छाहीं॥
वे सुरभी, वै बच्छ दोहनी, खरिक दुहावन जाहीं।
ग्वाल बाल मिलि करत कुलाहल, नाचत गहि-गहि बाहीं॥
यह मथुरा कंचन की नगरी, मनि-मुक्ताहल जाहीं।
जबहिं सुरति आवत वा सुख की, जिय उमगत तन नाहीं॥
अनगन भाँति करी बहु लीला जसुदा नंद निबाहीं।
सूरदास प्रभु रहे मौन ह्वै, यह कहि-कहि पछिताहीं॥

उत्तर: — प्रस्तुत पद महाकवि सूरदास द्वारा रचित है जो हमारी पाठ्य पुस्तक काव्य-कलश से लिया गया है।
प्रसंग — प्रस्तुत पंक्तियों का प्रसंग यह है कि कृष्ण गोकुल से मथुरा चले गये हैं। लेकिन सामान्य रूप से वे मथुरा में ही रहते हैं पर ब्रज की याद उन्हें सताती रहती है। वहाँ के उनके कार्यों महत्वपूर्ण कार्य कलापों एवं दूसरों को भी भुला नहीं पाये हैं। इनके मित्र उद्धव जब मथुरा पहुँचते हैं तो इनके सामने ब्रज की सारी बातों को वे खोलकर रख देते हैं तथा ब्रज

Your are the only real obstacle in your path to a fulfilling life.

क्रमशः —

बी.एड. प्रथम वर्ष (प्र) 19/8/20 कक्षा: 9
[illegible] हिन्दी शिक्षण
कविता – ब्रज धाम – रसखान के पद की व्याख्या

कृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा और अपने प्रेम को रेखांकित करते हैं।

मूल भाव — प्रस्तुत पद में ब्रजभूमि और गोपियों कृष्ण के विरह और प्रेम को दर्शाया गया है।

व्याख्यात्मक अर्थ — प्रस्तुत पद में ब्रजभूमि एवं गोपियों के प्रति कृष्ण के विरह को कृष्ण के स्वयं के प्रेम सामान्य सार्थक तरीके से दर्शाया गया है। गोकुल से आते हुए अपने मित्र उद्धव से कृष्ण कहते हैं कि हे उद्धव मुझे ब्रज की याद नहीं भूल पाता है। यहाँ के सुंदर और आकर्षक कुंजों को मैं भी नहीं भूल पाता यमुना का सुंदर किनारा तथा यहाँ [illegible] पाता गोपियों के सुंदर स्वरूप याद रहते हैं। यहाँ के आकर्षक कार्य व्यापार भी याद रहते हैं। यहाँ गाय तथा बछड़ों का चरना, तथा गोपालों के [illegible] होना मैं आज भी नहीं भूल पाया हूँ।

अपने साथियों के साथ वृन्दावन में मैं कोलाहल करते हुए तरह-तरह का खेल खेला करता था। ये सारे कार्य व्यापार मुझे आज भी याद रहते हैं। यह मथुरा नगरी [illegible] में काफी [illegible] है। यह धन-धान्य से परिपूर्ण है पर यहाँ का वैभव ब्रज की तुलना में मुझे तुच्छ लगता है। ब्रजभूमि मुझे आज भी अपनी ओर खींच रही है।

मैंने कक्षा में रहते हुए बहुत तरह की [illegible] जिसका [illegible] उद्धव [illegible] ब्रज की याद में [illegible] होकर पछताते लगते हैं।

It is not the load that breaks you down, it is the way you carry it.

AUG 2014

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | | | | | 1 | 2 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

कक्षा: